डॉ० आशिस कुमार सिन्हा
पूर्व प्राध्यापक, बंगला विभाग
मधुपुर महाविद्यालय, मधुपुर
देवघर, झारखंड, भारत।

"मंथन"

अपने को प्रतिष्ठित करने के लिए
औरों के प्रतिष्ठा का हनन करना
अच्छी बात नहीं।

अपने सपनों को साकार करने के लिए
औरों के सपनों पर पत्थर फेंकना
अच्छी बात नहीं।
सिर्फ अपने को खुश रखने के लिए
औरों के खुशी पे जलते रहना अच्छी बात नहीं।
अपने खामियों को सुधारे बिना
औरों को सुधारने के लिए परेशान रहना
अच्छी बात नहीं।

अपने प्रभाव को कायम रखने के लिए
जाति-धर्म तथा भाषा के पत्ते फेकना
अच्छी बात नहीं।
बस, मै ही मैं में
यह अनमोल जिन्दगी गुजार देना
अच्छी बात नहीं।
अच्छी बात नहीं।

****

अपने जीवन के हर पल को जी लेना ही जीवन है,
विष को अमृत मानकर पी लेना ही जीवन है,
गिर कर उठना, सम्भलना-सम्भालना ही जीवन है,
रास्ता छोटा हो या बड़ा- हँस कर तय कर लेना ही जीवन है,
कभी दोस्ती, कभी दुश्मनी-- फिर दोस्ती और दोस्ती ही जीवन है,
पराये को अपनों से भी ज्यादा प्यार देना ही जीवन है॥

"CHURNING"

It is not good to abuse others dignity,
Just to make ourselves dignified.

It is not good to throw stones at others dreams,
Just to fulfil our own dreams.

It is not good to be jealous of others happiness,
Just to keep ourselves happy.

It is not good to dwell about correcting others mistakes,
Without correcting our own mistakes first.

It is not good to speak about winning- religion and language,
Just to keep our impressions maintained.

It is not good; it is not good to spend this valuable life,
Just in being self- obsessed.

****

To live every moment of our life, is only life.
To drink up poison, considering it to be nectar is only life.
To get up after falling, and then managing- the managing is only life.
Friendship sometimes, foe sometimes-and to have friendship again is only life.
To love others more than our own self is only life……

By
Dr. Ashish Kumar Sinha
Translated from Hindi to English by
Mrs. RajaniInbavanan.